उत्पादन बढ़ाने को नयी तकनीक अपनाने लगे कृषक

गोराडीह (एसएनबी)। भारत एक कृषि प्रधान देश है। बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण कृषि योग्य भूमि धीरे धीरे घटने लगी है। ऐसे में खाद्यान्न की आपूर्ति करना एक जटिल समस्या है। पुरानी पद्धति से खेती पर लागत ज्यादा एवं मुनाफा नाममात्र के है। कृषि वैज्ञानिक दिन रात कठिन मेहनत कर नई नई तकनीक निकाल रहे हैं एवं खेती के लिए कृषकों को कम लागत में अधिक से अधिक पैदावार हो। इसके लिए वैज्ञानिक प्रयत्नशील है। नाबार्ड द्वारा एफटीटी एक योजना 1712000 रुपया का गोराडीह क्षेत्र में तीन वर्षीय प्रयोजना कार्यान्वित की गई है। प्रथम वर्ष में तीन पंचायतों में लगभग 400 किसानों द्वारा श्रीविधि से धान की खेती करवाई जा रही है। तीन पंचायत है मोहनपुर, मुरहन जमीन एवं सालपुर जिसमें से 16 गांवो का 400 किसानों द्वारा 12 कट्ठा प्रत्येक किसान से श्रीविधि द्वारा धान की खेती करवाया गया है। ग्रामोद्वार स्वयं सहायता समूह विकास मंच मोहनपुर के माध्यम से अंग कृषक क्लब द्वारा चयनित किसानों पर धान की खेती करने का हुनर सिखाने का प्रयोगिक प्रयास है। इस तकनीक से मूल रूप में कृषि कम लागत में अधिक उपज प्राप्त करेंगे।

नई तकनीक

16 गांव में 400 किसानों के माध्यम से 12 कट्ठा में श्रीविधि से करायी जा रही है धान की खेती

इससे कृषकों के माली हालत में सुधार होने की आपार संभावनाएं हैं। इस विधि से खेती करने वाले किसानों को नाबार्ड के तरफ से ग्रामोद्वार स्वयं सहायता समूह विकास मंच मोहनपुर के माध्यम से प्रथम वर्ष योजनाअंतर्गत किसानों को निःशुल्क हाईब्रिड बिज एवं वैज्ञानिक सलाह की व्यवस्था की गई है। इस बात की जानकारी सचिव हरि प्रकाश मंडल ने दी। प्रभारी कृषि पदाधिकारी गोराडीह राम पुकार राय ने बताया कि सुखाड़ से निपटाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों की टीम द्वारा किसानों को पंचायतवार लगाकर खेती करने का गुर सिखाया गया था।

आएगी खुशहाली : खेती की नई विधि को दिखाते किसान। फोटो : एसएनबी

दियारा किनारे खेतों में परवल की खेती शुरू

नाथनगर (एसएनबी)। नाथनगर के गंगा के किनारे के खेतों में परवल की खेती शुरू हो गयी है। मालूम हो कि दियारा किनारे के खेतों में काफी मात्रा में परवल की खेती होती है। बिंदटोली, मोहनपुर बासा, रसीदपुर बासा, बैरिया, अजमेरीपुर, श्रीरामपुर सहित अनेकों बहियार में किसान दिनभर जुताई करके परवल के लत की बुआई करते हैं।

मोहनपुर वासी जवाहर मंडल, बैरिया निवासी सोहन मंडल आदि किसान कहते हैं कि हमलोग परबल का लत मोतीचक, अंतीचक आदि जगहों से लाते हैं। यहां पर कई परवल लत के व्यवसायी हैं जो बंगाल आदि जगहों से लत मंगाकर बेचते हैं।